आओ जानेः कैसे करें स्वच्छ दूध उत्पादन

पशुचिकित्सा जनस्वास्थ्य एवं महामारी विज्ञान विभाग

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा

- दुधारू पशु पालने के साथ स्वच्छ दूध उत्पादन करना पशुपालक भाइयों के लिए बहुत आवश्यक है।
- स्वच्छ दूध लम्बे समय तक ख़राब नहीं होता है और उसकी कीमत भी अच्छी मिलती है।
- स्वच्छ दूध और उससे बने उत्पाद सेहत के लिए भी अच्छे होते हैं और उनसे दूध जनित बीमारियाँ होने की भी संभावना कम रहती है।

पशुपालकों द्वारा स्वच्छ दूध उत्पादन हेतु ध्यान देने वाली कुछ महत्वपूर्ण बातें

साफ पशुशाला (पशु बाड़ा)

- पशुओं की पशुशाला (पशु बाड़ा) साफ एवं आरामदायक होनी चाहिये।
- पशु बाड़े में फर्श आसानी से साफ करने योग्य, न फिसलने वाला व नमी रहित होना चाहिए।
- पशुओं के पीने और परिवेश को साफ रखने हेतू स्वच्छ पानी की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए।

स्वच्छ बर्तन

- दूध निकालने वाले बर्तनों का मुख के समीप का भाग कम चौड़ा एवं नीचे का ज्यादा चौड़ा होना चाहिए जिससे दूध में मिट्टी या धूल के कण कम से कम प्रवेश पा सके।
- दूध दूहे जाने वाले बर्तनो को पूरी तरह से साफ और कीटाणु रहित किया जाना चाहिए।

स्वस्थ व स्वच्छ पशु

- पशुपालकों को ध्यान रखना चाहिए कि पशु किसी बीमारी से ग्रसित तो नहीं है।
- पशुपालकों द्वारा पशु के थनो की नियमित जांच करनी चाहिए और यदि थनो पर सुजन हो या दूध में खुन या छेछड़े आ रहे हो तो पशु को थनैला रोग हो सकता है या उसे घाव हो तो उचित उपचार करवाना चाहिए।

साफ व स्वस्थ दूहन

- अपने हाथों को स्वच्छ और रोगाणु मुक्त करने के लिए दुधिये (ग्वाले) को दूध दूहने से पहले हाथों को अच्छी तरह साबुन से धोना चाहिए।
- दूध दूहने से पहले और बाद में पशु के थनों को अच्छी तरह से साफ पानी से धोना चाहिए।
- दूध पूर्ण हस्त विधि द्वारा ही दूहें।
- दूध निकालते समय दूधिये को थनों और बर्तन की तरफ छींकने/खांसने से बचना चाहिए।
- जानवरों को दूहने के बाद कम से कम आधा घंटा खड़ा रखना अच्छा है और इसे प्रोत्साहित करने के लिए जानवरों को खाना दिया जा सकता है।
- दूध दूहते समय शुरू की कुछ धारें एक पात्र में इकठ्ठा करें और इसको उपयोग में नहीं ले।
- अगर बछड़ा थनो से दूध पीता है तो थन बछ़डे के दूध पीने के बाद साफ किये जाने चाहिए।
- दूध दूहते समय अपने सिर को ढक कर रखे ताकि बाल दूध में नहीं गिरे।

दूधिया (ग्वाला) का स्वास्थ्य

- ग्वाला स्वस्थ होना चाहिए अन्यथा दूध में संक्रमण का खतरा बना रहता है।
- दूधिये के नाखुन कटे हुये एवं साफ होने चाहिए।
- हाथों को अच्छी तरह साबुन से धोना चाहिए।
- दूधिये को साफ कपड़े पहनने चाहिए और दूध दूहने के समय धूम्रपान और गुटखा चबाने से बचना चाहिए।

संपर्क सूत्र:
डॉ. नरेश जिंदल, डॉ. विजय जे जाधव, डॉ. मनेश कुमार
पशु जन स्वास्थ्य एवं रोग व्यापकीय विज्ञान विभाग
लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय हिसार–125004